

रूत रि कांऽणी



Bangani

रूत रि कांऽणी

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

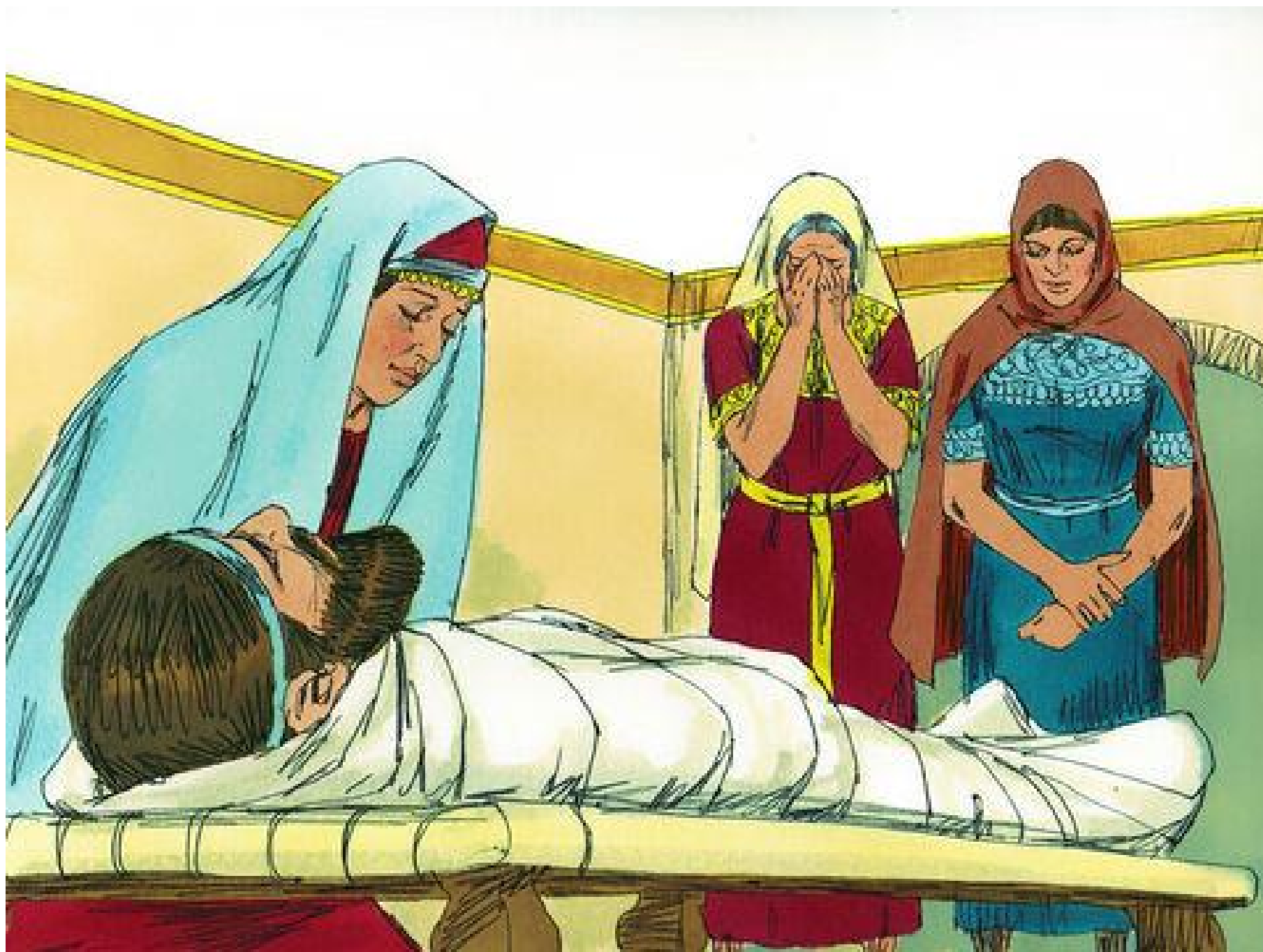
परकाशण:-

NLCI

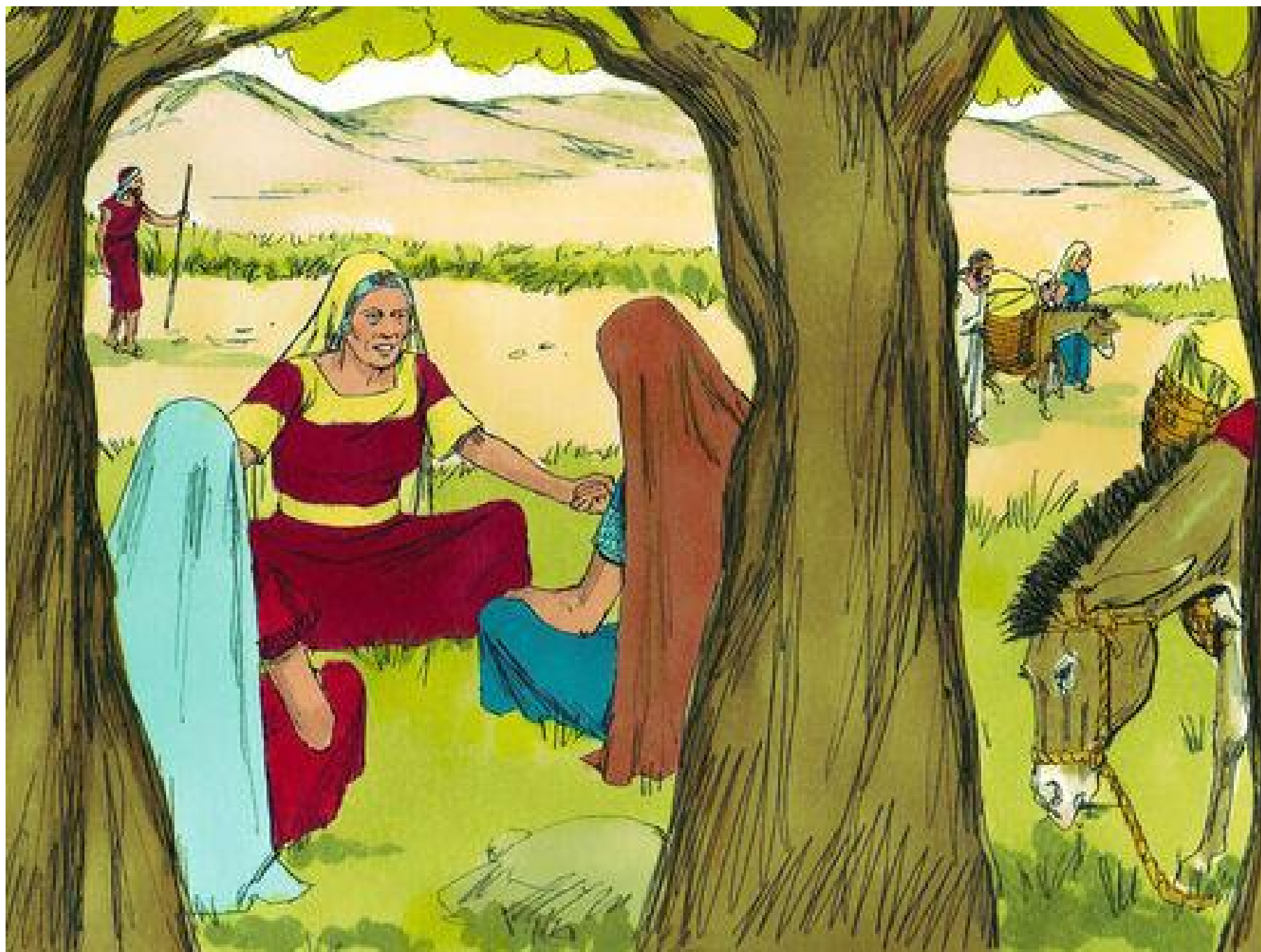
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें रूत के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



इस्राइल देश दि जेजै दुसु दि नियाइ लोग न्याय कौरैण
थै, सेजै दुसु दि इस्राइल देश दि बौड़ौ अकाल पौड़ौ,
सेजै बौक्ते दि एलीमेलेक नौऊँ रौ एक माणूछ आपड़ी
छेऊड़ नाओमी रै साथै मोआब देश दि रौन्दै लागौ,
कुछ दूस बासियै सेउ पोरु मौरौ तेसरै दुइ बेटा थै,
तिउँ आपड़ै पापा रै मौरणै बासियै की शादी, तिउँ दुइ
रि छेउड़ि रौ नौऊँ ओर्पा औज़ि रूत थौ।



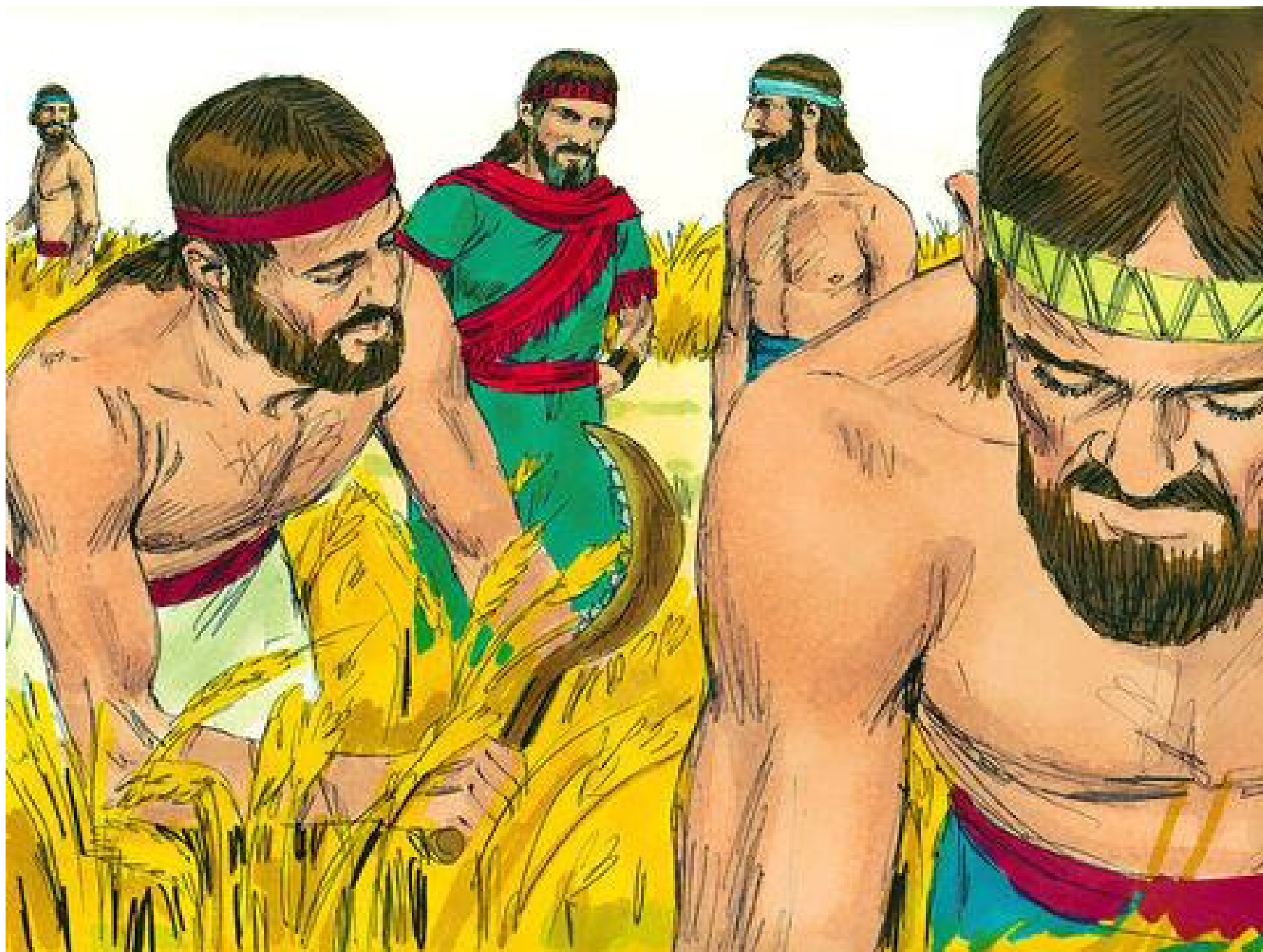
औज़ि कुछ दूस बासियै नाओमी रै बेटा बि पोरु मौरै,
एज़ी बौज़ै कौड़ नाओमी आपड़ी दुइयां बुआरिउं रै
साथै आपड़ौ देश इस्राइल खि डेन्दै लागै। तिकै पौतौ
लागौ, कि परमेश्वरेइ इस्राइल देश दि आपड़ै लोग
याद कियै, औज़ि तिउंके खाणे रि चीज़ बि देणियौन्दि,
तैबै तियै आपड़ी दुइयां बुआरिउं आरि बोलौ, कि तुमै
आपड़ै माइचै डैऔ, परमेश्वर तुम दि कृपा कौरै लौ।



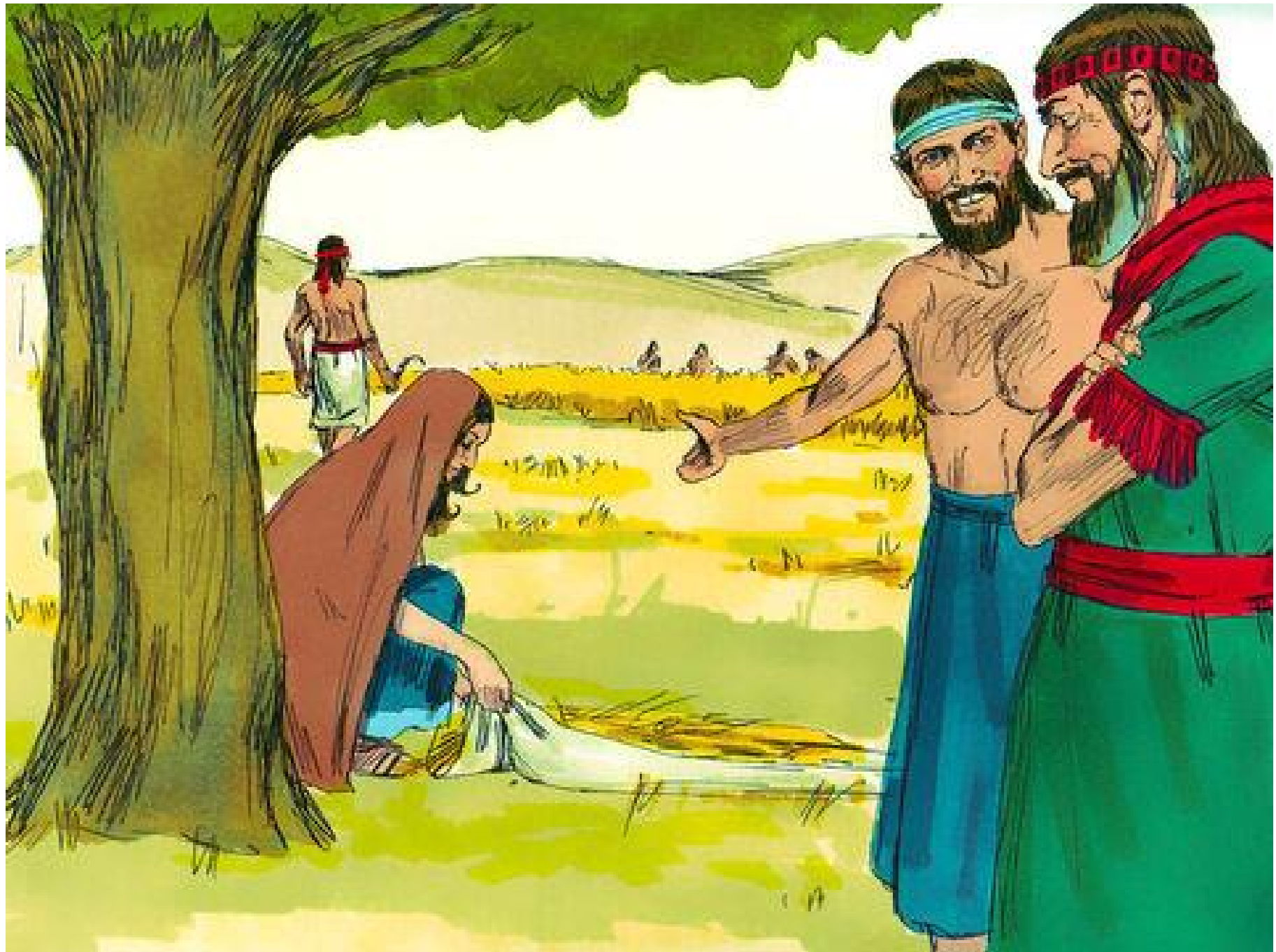
पर तिंरी बुआरिउं बोलौ, आमै बि तेरै साथै तेरै देश दि
आइ, तैबै नाओमिएइ सै वापस डेणे खि बेबश कियै,
तैबै तिंरी एक बुआरि ओर्पा वापस डेइ, पर रूतेइ
बोलौ, तु मुकौइ वापस डेणे री बिनती ना कौर,
केलाकि जेत्कै तु डैऽली आउं बि तेरै साथै तेथिकै
आऊ, औज़ि जेत्कै तु रुकै ली आउं बि तेथिकै रुकु,
तेरै लोग मेरै लोग औयै लै, औज़ि तेरौ परमेश्वर मेरौ
परमेश्वर औयै लौ।



तैबै नाओमिएइ तिंआरि कुछ बि ना बोलौ, तैबै सै
दुइयां डेन्दी लागी, औज़ि इस्राइल देश रै बैतलम दि
पौइंची, जौ नाओमी रूत रै साथै मोआब देश कौइ
बैतलम दि पौइंचै, तेतिखि जौ काटणै रौ बौक्त शुरु उइ
गोअ थौ। नाओमी रौ पति एलीमेलेक रै खानदानी रौ
एक बौड़ौ सेट माणूछ थौ, तेसरौ नौऊं बोअज़ थौ।



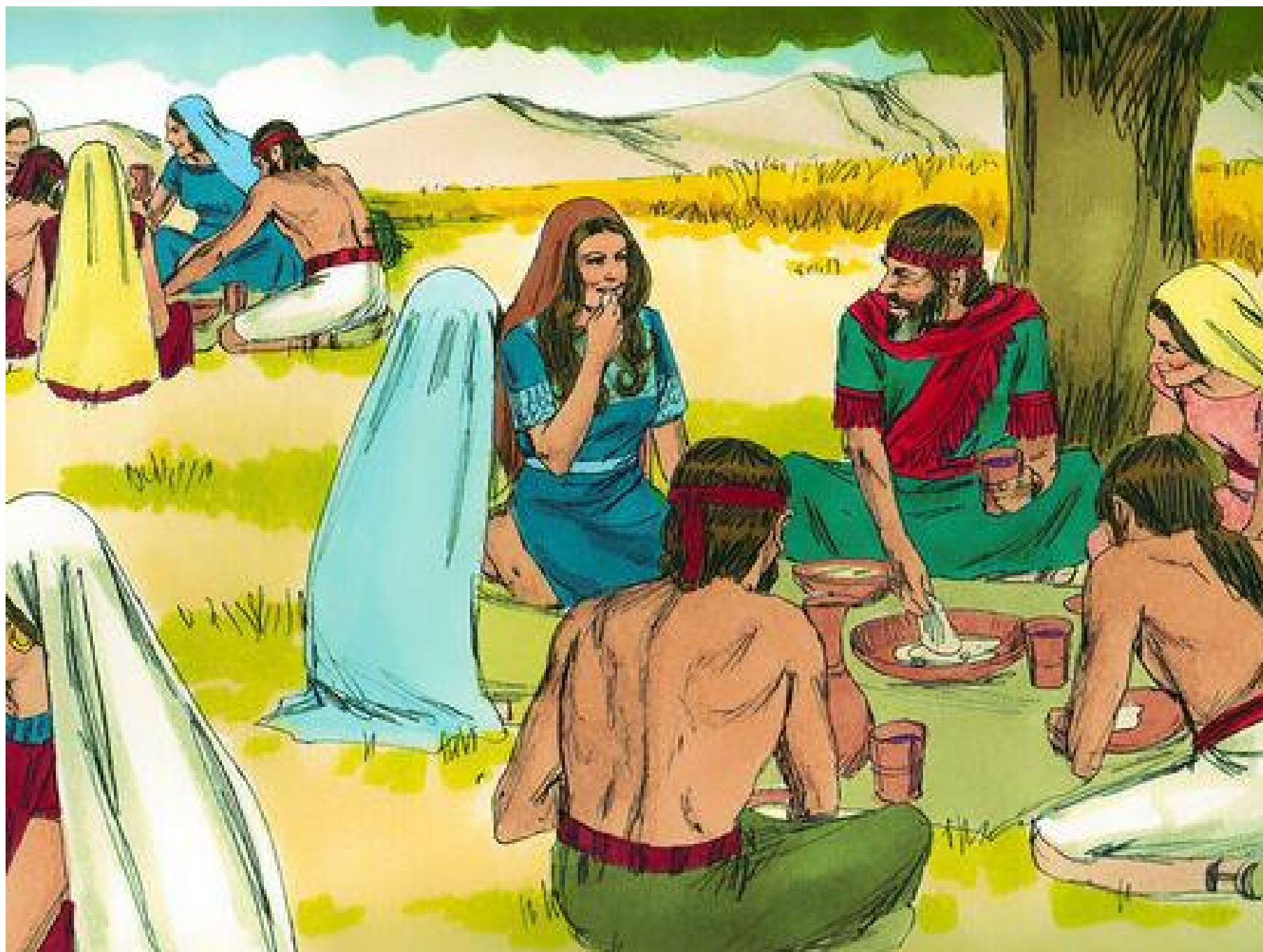
जौ रूतेइ आपड़ी शाशु आरि बोलौ, कि मूँ डोखरौउं
दि डेणै दै, ज़ेसकौइ आउं डोखरे दि फसल काटदू बैरै
दौनी पौड़ियौन्दि जौ रि बाळियै कौट्ठी कौरियौ आणू,
तैबै नाओमिएइ बोलौ, डेऊ बै। तैबै रूत डोखरे दि जौ
री बाळियै टिपदि लागी, ज़ेस डोखरे दि सै बाळियै
रौइ थी टिपदि लागी, सेउ डोखरौ बोअज़ रौ थौ। जौ
बोअज़ डोखरे दि लोगु देखदै आऔ।



तैबै बोअज़ेइ डोखरै काटणै वाळौउं रौ सरदार कौइ
पूछौ, कि ऐ कासरी बेटी? सरदारेइ बोलौ, ऐ नाओमी
री बुआरी, ईऐ मुँआरि बोलौ थौ, जौ काटणै वाळौउं रै
पौछौणिकै मूँ जौ रि बाळिए टिपणै दै तैबै आइ ऐ,
औज़ि राती औरौ कौइ एथिकै। तैबै बोअज़ेइ रूत
आरि बोलौ, ए मेरी बेटी। कासी दुज़ौउं रै डोखरौउं दि
ना डै, मेरी दासिउं रै साथै एथिकै रौऐ।



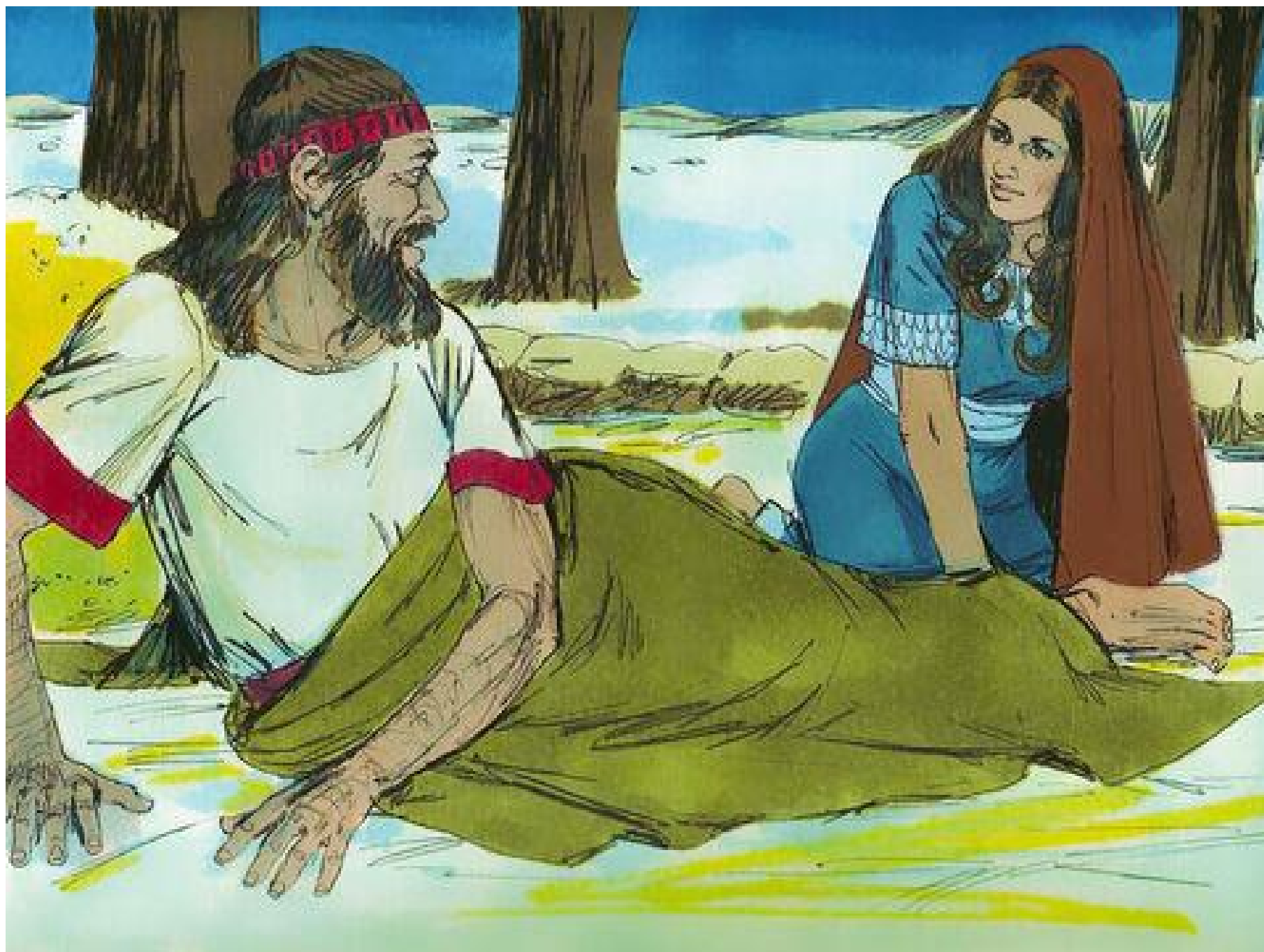
मुइं जुवानू कै आदेश देणौ, सै ताउं परेशान ना कौरै
लै। औज़ि ज़ौ ताउं चीश लागै ली, तै ओखरु काइ
डेइयौ पियै पाणि, तैबै रूतेइ ज़ुकियौ तेसारी बोलौ,
तुमु केज़ी बौज़ै कौइ मूँ परदेशणी दि डाइली नज़र
लाइ? तैबै बोअज़ेइ तियारी बोलौ, मुँकै पौतौ कि तु
आपड़ै पति रै मौरणै बासियै बि आपड़ी शाशु रै साथै,
औज़ि आपड़ै आमा – पापाइ छोड़ियौ एत्कै आइ।



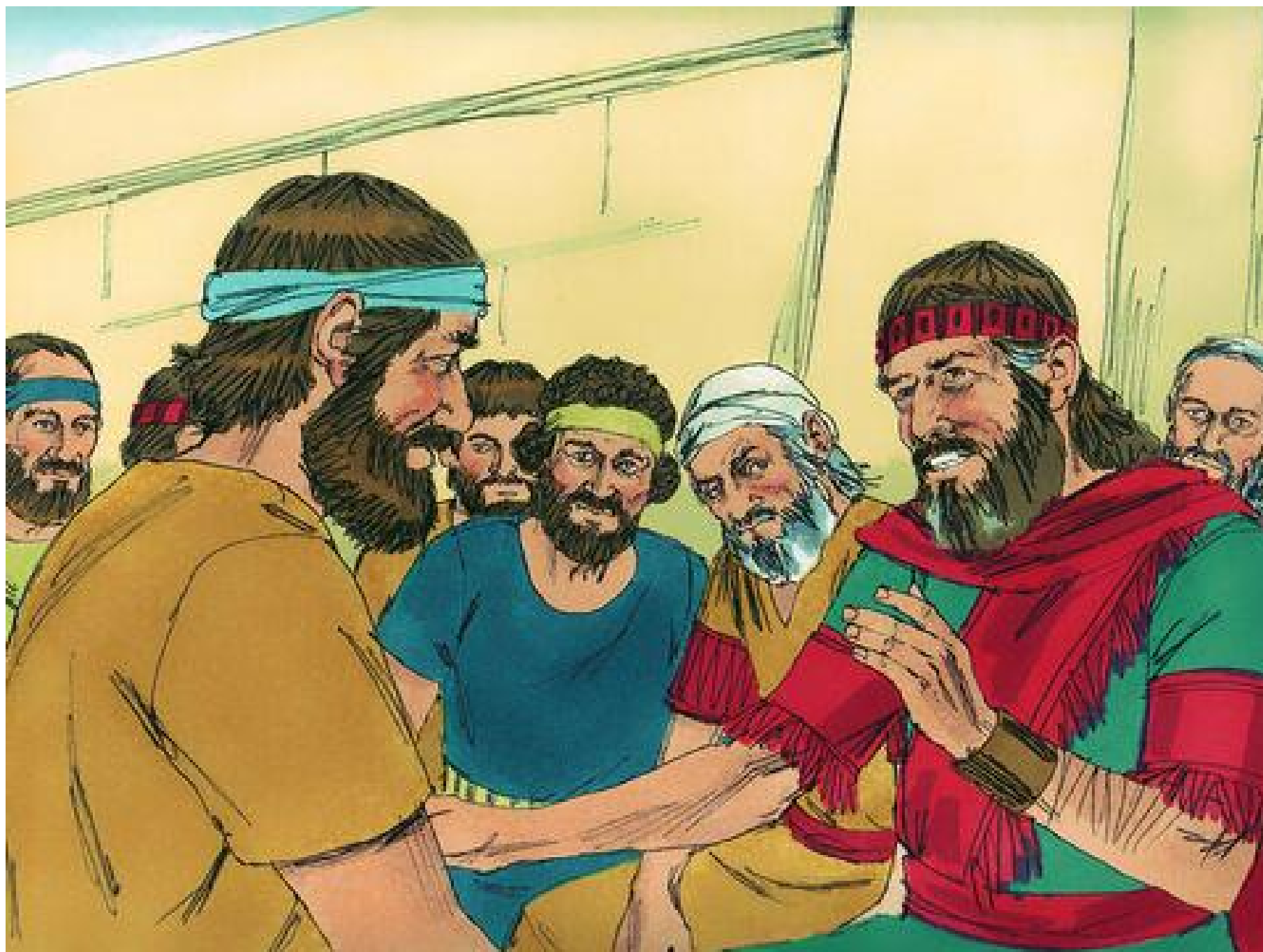
तैबै खाणै रै बौक्ते दि बोअज़ेइ रूत आरि बोलौ, ओरु
आऊ एथिकै खा रोटी, तैबै सै डोखरै दि जौ काटणै
वाळौउं काइ बोशियौ खाणौ खान्दि लागी, जौ सै
खाणौ खाइयौ डौटी गोइ थी, तै तियै थोड़ौ ज़ाइं खाणौ
बौचाइ थौ, तैबै बोअज़ेइ काम कौरणै वाळौउं आरि
बोलौ, काटदू बैरै थोड़ौ पोरु छोड़ियौ। तैबै सै
बियाळकै जौउं तेथिकै डोखरे दि टिपदि लागी, औज़ि
ज़ेती जौ तियै टिपै थै, सै लगभग 10 किलो थै।



औज़ि ज़ो कुछ तेत्कै उवौ, सेउ सारौ तियें आपड़ी
शाशु आरि बोलौ, तैबै तिंरी शाशुइ बोलौ, जेसरै डोखरे
दि तु डेइयौन्दि थी, सेउ आमारी खानदानी रौ, औज़ि
तेसकै एशौ बि अदिकार, कि सेउ आमारै डोखरौउं
छुड़ाइ सौकै। एज़ी बौज़ै कौइ तु तेसकाइ तेत्रा डै,
ज़ेत्रा सेउ डोखरे दि औयै लौ। तैबै रूतेइ तेशौइ कियौ,
जेशौ तिंरी शाशुइ बोलौ थौ।



ਜ਼ੌ ਬੋਅਜ਼ ਆਪਡੈ ਡੋਖਰੇ ਦਿ ਸੁਤੌਨ੍ਦੌ ਥੌ, ਤੈਬੈ ਰੂਤੇਝ
ਤੇਸਾਰੀ ਬੋਲੌ, ਕਿ ਤੁ ਆਮਾਰੀ ਖਾਨਦਾਨੀ ਰੌ, ਤੁ ਆਮਾਰੈ
ਡੋਖਰੌਝੰ ਢੁਡਾਊ, ਤੈਬੈ ਬੋਅਝੇਝ ਬੋਲੌ, ਆਝੰ ਜ਼ਰੂਰ ਤੇਰੈ
ਡੋਖਰੌਝੰ ਢੁਡਾਊ, ਜ਼ੌ ਤੇਰੈ ਦੂਜੀ ਖਾਨਦਾਨੀ ਰੈ ਲੋਗ ਨਾ
ਢੁਡਾਲੈ, ਤੈ ਆਝੰ ਢੁਡਾਊ, ਤੈਬੈ ਬੋਅਝੇਝ ਸੈਰ ਰੈ ਬੁਜੁਰ੍ਗ
ਲੋਗ ਕੌਟ੍ਠੈ ਕੀਯੈ।



औज़ि बोअज़ेइ नाओमी रै खानदानी वाळौउं आरि
बोलौ, नाओमी मोआब कौइ आइ गोइ, तु तिरै
डोखरौउं छुड़ाऊ, तैबै तिरै खानदानी रै लोगु बोलौ,
कि आउं ना छुड़ाइ सौक्दौ, एज़ी बौज़ै कौइ तु
छुड़ाऊ, तैबै बोअज़ेइ तिउंरै डोखरै छुड़ाए, औज़ि रूत
बि आपड़ी छेउड़ चाणी। औज़ि परमेश्वरेइ तिउं दि
दौया की।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.